"यथा स्त्रीणां तथा वाचां साधुत्वे दुर्जनो जन.।"

भवभूति।

प्रथम हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन

काशी।

कार्यविवरण-पहला भाग।

[सम्मेलन में स्वीकृत मन्तव्य।]

सम्मेलन-समिति की सम्मति से

मंत्री नागरी प्रचारिणी सभा काशी द्वारा प्रकाशित।

मूल्य ।)